Q7. आष्ट्रेलिया की जलवायु की विशेषताओं का वर्णन करें। कहाँ तक आर्थिक व रवाली आष्ट्रेलिया का विभाजन जलवायु के आधार पर है?

→ आष्ट्रेलिया महाद्वीप पूर्णतः दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है। मकर रेखा इसके मध्य से हो कर गुजरती है। अतः यहाँ उष्ण व शीतोष्ण कटिबंधीय जलवायु पाई जाती है। ऊँची पर्वत श्रेणियों के अनुपस्थिति के कारण यहाँ तापक्रम के वितरण पर धरातलिय प्रभाव नहीं पड़ता है। समुद्री धाराएँ भी आष्ट्रेलिया की जलवायु को अधिक प्रभावित नहीं कर पाती हैं। यहाँ की जलवायु जिन भौगोलिक तत्वों

पर आधृत है। वे निम्नलिखित हैं —

(i) स्थिति :- यह महाद्वीप पूर्णतः दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है। इसका विस्तार 10° द० - 43° द० अक्षांस तक एवं 113° पू० - 153° पू० देशान्तर तक है। अतः उष्ण व शीतोष्ण दोनों प्रकार की जलवायु पाई जाती है।

(ii) उच्चावचन :- यद्यपि महादेश के पश्चिमी भाग में विस्तृत पर्वत श्रेणियां अधिक ऊँची नहीं हैं तथापि वे पश्चिमी समुद्री हवाओं को ~~आस्ट्रेलिया~~ रोकने में सक्षम हैं। जिससे आस्ट्रेलिया के विस्तृत मध्य व पूर्वी भाग शुष्क रह जाते हैं। ये पर्वतीय भाग उत्तर-पश्चिम मानसून व शीतकाल में पछुआ हवाओं को आंतरिक प्रदेशों में प्रवेश से रोक देती हैं।

(iii) महासागरीय जलधाराएँ :- आस्ट्रेलिया एक द्वीप है फिर भी यहाँ की जलवायु पर जलधाराओं का कोई विशेष प्रभाव नहीं है। प० आस्ट्रेलिया की ठंडी धारा का प्रभाव कम ही पड़ता है क्योंकि महादेश का विस्तार उत्तर-दक्षिण कम है। पूर्वी आस्ट्रेलिया धारा द्वारा उत्तर व पूर्वी तट का तापमान उच्च रहता है। अतः यहाँ वर्षा अधिक होती है।

आस्ट्रेलिया में मुख्यतः दो ऋतुएँ पाई जाती हैं। जब सूर्य मकर रेखा पर लम्बवत होता है तो यहाँ ग्रीष्म ऋतु होती है और जब सूर्य कर्क रेखा पर जाता है तो यहाँ शीत ऋतु होती है। यहाँ सितंबर से मार्च तक ग्रीष्म ऋतु रहती है। सबसे गर्म स्थान पीलबारा होता है जिसका औसत तापमान दिसंबर में 29°c रहता है। इसके विपरित अप्रैल से सितंबर तक यहाँ शीतऋतु होती है। इस समय उत्तर से दक्षिण की ओर तापमान कमता जाता है। उत्तरी भाग का तापमान 15°c एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग का तापमान 4°c हो जाता है।

जनवरी मास में यहाँ अल्पदाब के क्षेत्र का विस्तार रहता

है जो लगभग 1000mb के बराबर होता है। जबकि इसी समय महाद्वीप के द० पूर्वि० भाग में 1014 mb का उच्च दाब होता है। इसी समय महादेश के उ० पू० ~~भाग में उच्च~~ सागरीय भाग में उच्च दाब के कारण मानसून उत्पन्न होता है जिससे पश्चिमी भाग वर्षा पाता है। पर्वतिय बाधा के कारण महादेश का मध्य व पूर्वि भाग वर्षा से वंचित रह जाता है। तस्मानिया में पछुआ हवा से वर्षा होती है। दक्षिणी भाग में उच्च दाब के कारण समुद्री हवाओं का प्रभाव नहीं पड़ता।

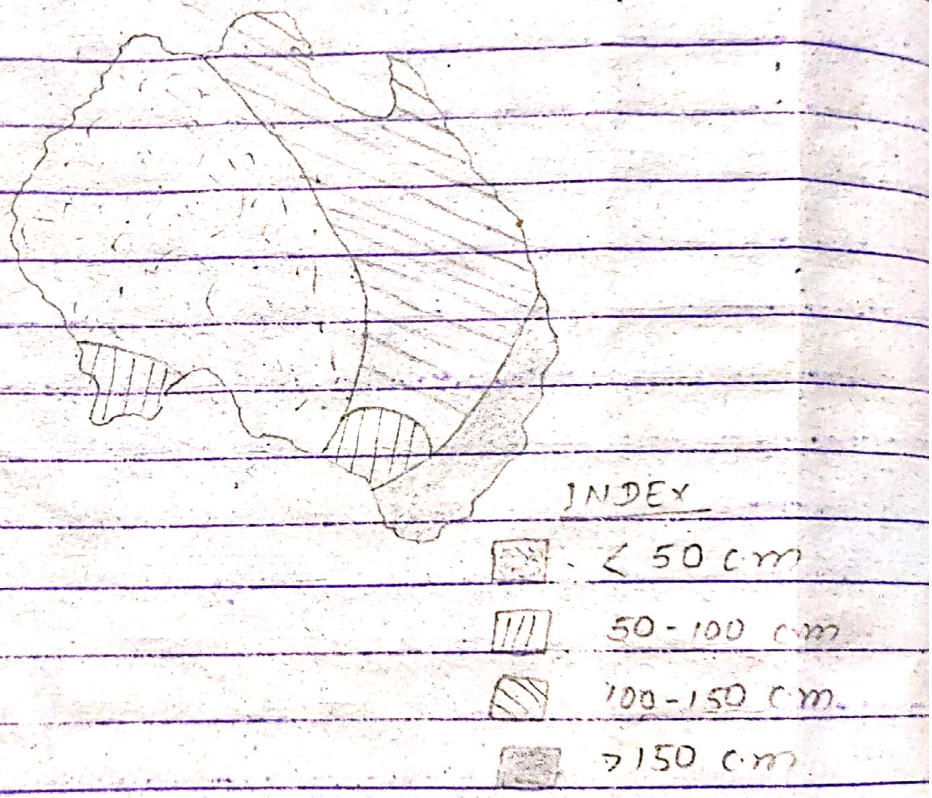

आस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग से चलने वाली उष्ण, शुष्क, धूलपूर्ण चक्रवातिय हवाओं को BRICK FIELDERS एवं दक्षिण से आनेवाली ठंडी स्थानिय हवा को SOUTHERN BUSTERS कहते हैं। इसी प्रकार उत्तर-पश्चिमी तट पर चलने वाली उष्ण कटिबंधिय चक्रवात को WILLY WILLIES कहते हैं।

आस्ट्रेलिया में वर्षा के वितरण से यह स्पष्ट है कि यहां के 12% भाग पर 100 cms से अधिक, 22% भाग

Scanned with CamScanner

पर 50-100 c.ms तथा 60% भूमि पर 50 c.m से भी कम वर्षा होती है।

किसी भी महादेश का आर्थिक आधार कृषि होती है। और कृषि वर्षा के मात्रा पर निर्भर करती है। आस्ट्रेलिया के आर्थिक विकास का दूसरा स्तंभ है - पशुपालन। पशुपालन भी जलवायु की उपेक्षा कर संभव नहीं है। पशुओं के विकास एवं उत्तम उत्पादन प्राप्ती हेतु अनुकूल जलवायु आवश्यक है। महादेश के पश्चिमी व मध्य भाग मरूस्थलीय है. जहाँ नमी की कमी के कारण आर्थिक क्रियाकलाप नहीं होते हैं।

आस्ट्रेलिया में वर्षा अर्द्ध-चन्द्राकार रूप में होती है। अतः कहा जा सकता है कि खाली आस्ट्रेलिया या आर्थिक आस्ट्रेलिया के विभाजन का मुख्य आधार वर्षा या जलवायु है। आर्थिक व खाली आस्ट्रेलिया को जलवायु के आधार पर दो भागो में बाँट जाता है—

(i) आर्थिक दृष्टि से उन्नत क्षेत्र :- उत्तरी, पूर्वी व दक्षिणी आस्ट्रेलिया जहाँ वर्षा अधिक होती है विभिन्न प्रकार के फसलें उगाई जाती हैं। इस क्षेत्र की जलवायु पशुपालन हेतु भी उपयुक्त है। यहाँ चारा आसानी से उपलब्ध है अतः पशुपालन व कृषि आधृत उद्योगों का भरपूर विकास हुआ है।